

# Bihar Board Class 7 Social Science Civics BchYg

## Chapter 1 लोकतंत्र में समानता

### Bihar Board Class 7 Social Science लोकतंत्र में समानता Notes

पाठ का सार संक्षेप

पहचान-पत्र हमारे लिए महत्वपूर्ण होता है। बहुत सारे कामों में हमें इसकी आवश्यकता होती है। फोटो पहचान-पत्र से सरकार द्वारा हमें यह 'अधिकार दिया जाता है कि हम अपना मतदान कर सकते हैं। जहाँ पर फोटो-पहचान पत्र बनाने का काम होता है, वहाँ पर लोगों की लम्बी कतार लगी रहती है और सभी अपनी बारी का इंतजार करते हैं। यहाँ कतार में खड़े लोगों में किसी बात की असमानता नहीं होती है, सभी बिल्कुल समान रूप में खड़े होते हैं। यहाँ यह नहीं देखा जाता कि कतार में खड़े लोगों में कौन अमीर हैं और कौन गरीब हैं, कौन शिक्षित हैं और कौन अशिक्षित हैं।

यहाँ कतार में खड़े होकर सभी लोगों को समानता का अहसास होता है, जबकि रोजाना के जीवन में कुछ अलग-सा महसूस होता है। गरीबी की वजह से कुछ लोग अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने के लिए पैसे नहीं जुटा पाते। पर सरकारी स्कूल दूर होने की वजह से प्राइवेट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना उनकी मजबूरी बन जाती है। हमारे लोकतंत्र के लिए एक समस्या यह

है कि यहाँ वोट देने के अधिकार में समानता है, पर रोजमर्रा के जीवन में कई प्रकार की असमानताएँ हैं। ...

बाल संसद और समानता—इसमें कक्षाओं को पहले पाँच समूहों में बाँट दिया जाता है। प्रत्येक समूह में सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को शामिल किया जाता है। फिर इसमें पाँच समूह तैयार कर लिए जाते हैं, जिसमें सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राएँ शामिल हों। फिर इन पाँचों समूहों में से दो-दो प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाता है।

मध्याह्न भोजन और विद्यालय मध्याह्न भोजन के शुरू होने से स्कूलों में बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई है। कई बच्चे खाली पेट ही स्कूल आते थे जिस वजह से पढ़ाई में उनका मन नहीं लगता था। पर मध्याह्न भोजन योजना से उन्हें भोजन भी मिलता है और उनके बीच की सामाजिक दरियों को कम करने का प्रयास भी किया जाता है। यहाँ सभी बच्चे एक साथ बैठकर एक ही प्रकार का भोजन करते हैं,

चाहे उनकी जाति कोई भी हो। पेट भरा होने की वजह से बच्चों को पढ़ाई में भी मन लगता है। है गरीबी एवं बेरोजगारी-गरीबी और बेरोजगारी में हमें असमानता का सबसे भयानक स्वरूप नजर आता है। बिहार में आज भी ऐसे बहुत सारे परिवार हैं जिन्हें रोजाना भरपेट भोजन नहीं मिल पाता है। यहाँ सबसे ज्यादा गरीब खेतिहर मजदूर हैं।

ज्यादातर ये लोग भूमिहीन होते हैं या फिर उनके पास बहुत थोड़ी-सी जमीन होती है जिनसे इनका गुजारा नहीं हो पाता है। ये लोग दूसरों की खेती में मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का पेट पालते हैं। पर इन्हें वर्ष भर काम भी नहीं मिलता। ये ज्यादातर मजदूर दलित परिवार के होते हैं, इस वजह से इन्हें दोहरी असमानता का सामना करना पड़ता है एक. तो बेरोजगारी और दूसरी सामाजिक भेदभाव।